राष्ट्रीय सहारा

नई दिल्ली । बुधवार • 5 मई • 2010

टायर की कीमतों में 25 फीसद की वृद्धि संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टायर कंपनियों ने कहा है कि वे बढ़ती लागत की भरपाई के लिए टायरों की कीमतें 25 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद भी रबड़ की बढ़ती कीमतों का समाधान निकालने में वे विफल रहीं। आटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) के चेयरमैन नीरज कंवर ने यहां संवाददाताओं को बताया एटमा ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। हमें सुनने को मिला कि इसका कोई समाधान नहीं है।

रबड़ की बढ़ती कीमतों से कंपनियों की लागत में हुआ इजाफा

मार्च की शुरुआत में एटमा ने रबड़ की बढ़ती कीमतों और टायर उद्योग पर इसके प्रभाव के मुद्दे को हल करने के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए एक पत्र लिखा था। टायर उद्योग की मांग है कि सरकार प्राकृतिक रबड़ पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क हटाए और रबड़ के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध लगाए। इसके अलावा प्राकृतिक रबड़ को क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के तहत नकारात्मक सूची से बाहर किया जाए।

एटमा और इंडियन साइकिल एंड रिक्शा टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने कहा कि टायर कंपनियां पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं और रबड़ की कीमतों में नरमी लाने के लिए अगर कोई उपाय नहीं किए जाते हैं तो उन्हें कीमतों में और बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। कंवर ने कहा बढ़ती लागत की भरपाई के लिए हमें अप्रैल से बिक्री मूल्य में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की जरूरत है।

कंवर के विचारों से सहमति जताते हुए साइकिल एंड रिक्शा टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के चेयरमैन रूमी छाबड़ा ने कहा कि अगर प्राकृतिक रबड़ की कीमतों में स्थिति नहीं बदलती है तो हमें कीमतें करीब 20 प्रतिशत तक बढ़ाने को बाध्य होना पड़ेगा।